



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	28.7.21	2	1

**HAU employees
donate ₹1 cr for
Covid fund**

HISAR, JULY 27

Vice-Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Prof BR Kamboj, presented a cheque of Rs 1,03,02,321 to Haryana Chief Minister Manohar Lal Khatiar for Haryana Corona Relief Fund.

While presenting the cheque to the Chief Minister at his office here on Friday, Kamboj said this donation had been made voluntarily by the employees of the university. He said that the teachers and non-teaching staff of the university had voluntarily decided to donate 10 per cent of their basic salary of one month. — TNS



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
य०१५ मार्च, २	२८.३.८८	२	३५

किसानों के घर जाकर फसल संबंधी समस्याओं का समाधान करेगी एचएयू

वीसी बोले-एचएयू किसानों के लिए तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ

भास्कर न्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। किसानों की फसलों संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अलग से टीमें गठित की गई हैं, जो किसानों के घर-घर जाकर भी उनकी समस्या के समाधान का प्रयास करेगी।

वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवाशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किसान



किसान गोष्ठी को संबोधित करते एचएयू के वीसी।

गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने की। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्या के निदान के लिए जटे रहने का आह्वान किया। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र संगवान, सस्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौध रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। मंच का संचालन डॉ. नरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र वाकल के निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव, कृषि उपनिदेशक डॉ. वर्जीर सिंह, डॉ. सुनील ढांडा, डॉ. एम.एल. खिचड़ सहित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अनेक महिला व पुरुष किसान भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार स्रोत का नाम
पंजाब के सरो

दिनांक
२४.७.२५

पृष्ठ संख्या
३

कॉलम
२-५

'कपास की फसल में न उठानी पड़े किसानों को समर्थ्या, एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर कर रही हैं जागरूक'

हिसार, 27 जुलाई (पेक्स): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामबोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एच.ए.यू. के अनुसंधान निदेशालय, आनुवाशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ध्वन्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विंग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वारा जाकर



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामबोज किसान गोष्ठी के दौरान संबोधित करते हुए। समाधान करें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किसों, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की ऊंत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता

न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है।

'बदल रही है लोगों की सोच: छाड़ा'

हिसार (पेक्स): लोगों की घरों की सजावट को लेकर सोच बदल रही है। अब लोग घर की सज्जा पर विशेष ध्यान देते हैं। इसी की ध्यान में रखकर आर्मानिया ने इंटीरियर डेकोरेशन की दिशा में हिसार में कदम बढ़ाया है। यह बात आर्मानिया के संस्थापक विजयत छाड़ा और मनीष बसल ने पत्रकारों से बातचीत में कही। इस अवसर पर सौरभ सिंगल ने कहा कि आज लोगों की सोच और जरुरत घर सज्जा व फर्नीशिंग को लेकर बदल गई है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
अजात सभावार

दिनांक
28.7.21

पृष्ठ संख्या
४

कॉलम
उ-१

एचएयू किसानों हेतु सदैव तत्पर : प्रो. काम्बोज

हिसार, 27 जुलाई (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बौद्धि मुख्यालिंथ संबंधित 'कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विभाग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वारा जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों, नई तकनीकों व कृषि



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पौधे वितरित करते हुए।

आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भाँति किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास किसानों को कपास की फसल में के उत्पादन व बचाव को उत्तम खामियाजा न भुगतना पढ़े। इसलिए तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञन

अ. ४ य. १। त। १। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने

एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गतिशीली थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर

गतिशीली थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरित परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिदायतों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कई बार किसान बिना वैज्ञानिक परामर्श के अपनी फसल में कीटनाशकों का अंधाधुंध छिड़काव कर देता है जो नुकसानदायक हो सकता है। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सर्व वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौद्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने कपास संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए।

गोष्ठी में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया और मिट्टी-पानी की निशुल्क जांच के अलावा मौसम संबंधी जानकारी के लिए निशुल्क पंजीकरण किया गया। गोष्ठी में मौजूद किसानों को फलदार पौधे व फसलों की समग्र सिफारिशों संबंधित लिखित सामग्री वितरित की गई। इस दौरान कपास संबंधी आधुनिक तकनीकों व कृषि समस्याओं को लेकर एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसके अलावा अचार, बेकरी, मशरूम, सिंचाई तकनीकों, जैविक खेती आदि की भी प्रदर्शनी लगाई गई। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ संयोजक डॉ. रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन डॉ. नरेंद्र यादव ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डॉ. धर्मवीर यादव, कृषि उपनिदेशक डॉ. वजीर सिंह, डॉ. सुनील ढांडा, डॉ. एम.एल. रिचर्ड सहित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अनेक महिला व पुरुष किसान भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरी	28.07.2021	--	--

www.RunningBuddy.com

ਦੇਵਾਈ-ਸ਼ਹੱਦਗਟ ਕੇਟਾਰੀ

‘एच.ए.यू. किसानों के लिए सदेव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभः प्रो. बी.आर. कांबोज’

किसानों को समस्या न हो एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

उत्तरी भारत में असम में
विद्युतिप्रदान का विषय लिया
गया है जो उपर्युक्त विद्युतिप्रदान
विधान सभा की पारिसंस्कृति संसदीय हार सम्बन्ध
में विद्युतिप्रदान के लिए एक भारत
जनकारी संसदीय संस्कृति विद्युतिप्रदान



जो वो एक वाहन या विद्युत की विभिन्न संरचना के लिए उपयोग किये जाते हैं।

के मुख्य विषय बने रहे जिनमें भी विविधताएँ हो सकती हैं। इनमें व्यापक हो सकती हैं विविधताएँ तथा विविधताएँ विद्यमान हो सकती हैं। इनमें व्यापक हो सकती हैं विविधताएँ जो विविधताएँ विद्यमान हो सकती हैं। इनमें व्यापक हो सकती हैं विविधताएँ जो विविधताएँ विद्यमान हो सकती हैं। इनमें व्यापक हो सकती हैं विविधताएँ जो विविधताएँ विद्यमान हो सकती हैं। इनमें व्यापक हो सकती हैं विविधताएँ जो विविधताएँ विद्यमान हो सकती हैं। इनमें व्यापक हो सकती हैं विविधताएँ जो विविधताएँ विद्यमान हो सकती हैं।

मेरी विद्यालयी की छोटी बहिं वार ले
की जैसी अवसरा आवेदन कीती है

एवं द्वितीय उपर्युक्ति होती है जबकि अन्य
सभी उपर्युक्ति वाले वाक्यों का विवरण दिया
हो। ऐसीप्रत्येकी वाली विवरणों की एक
समग्रता वाले वाक्यों का विवरण दिया होता है।

रसायन मुख्त छेत्री
को दै सदावा

३८. वर्तमान में कहा जिस समय
की अवधि में विद्युत उत्पादन के लिए

वर्ष न देती वह प्रायः कुछ उत्तम
करती है। इसके लिए सबसे बड़ा गुण
है कि विकल्पों में आपको अपनी
विचारों में सहायता का विकास
करने का एक विकल्प है। इसके बाद
विकल्प विकल्प एक सूखा लेखी की
विकल्प है जो विकल्प विकल्प एक सूखा लेखी की
विकल्प है जो विकल्प विकल्प एक सूखा लेखी की

विश्वविद्यालय से जुड़कर विद्यालय
प्रबन्धितों से स्पष्ट व निर्भय विद्यालय
प्रबन्धित की जीवन का एक अनुभाव।

जिसका अनुभव किया गया था। वैदिकोंने इसका अनुभव किया तो उन्होंने इसकी विवरणों में उन्नीस वैदिकोंने जीवन की सबसे विशेषताएँ दर्शायी हैं। वैदिकोंने यह अनुभव को उनकी अपनी भवित्वात् दर्शाया है। वैदिकोंने यह अनुभव को उनकी अपनी भवित्वात् दर्शाया है। वैदिकोंने यह अनुभव को उनकी अपनी भवित्वात् दर्शाया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
दैनिक ज्ञागरण	28.07.2021	-	-

किसान ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रो. कांबोज

संवाद सूत्र, महेंद्रगढ़: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. श्रीआर कांबोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रबासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पोट्टी प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान द्वारा महेंद्रगढ़ कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बद्धाव की उन्नत तकनीक' सुना गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसंचिव डॉ. रुजवीर सिंह ने की। कुलपति प्रो. श्रीआर कांबोज ने कहा कि

गुज्य सरकार व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भाँति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबोधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विवि के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विपरित परिस्थितियों में भी कपास का अच्छा उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में कपास की खड़ी फसल का जावजा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृत रुजाला	28.07.2021	-	-

‘एचएयू किसानों की मदद को हमेशा आगे’
कृषि विज्ञान केंद्र में हुई किसान गोष्ठी, एचएयू के कुलपित ने दी कृषि संबंधित जानकारी

संस्कृत विद्या एवं वेद

महेश्वर। योक्तव्य परत्वे विष्णु हरिहरा
कृष्ण विश्वस्त्रियालय रिमार के मुख्यार्थ
थे। योक्तव्य विश्वस्त्रियालय ने बाट ये विष्णवारी
की बाट के लिए विश्वस्त्रियालय हार भवन
परामर्श द्याया है। विष्णवारी को जलदी से
बाट विश्वस्त्रियालय के सभा अध्यक्ष
इसका लंबा उत्तर चाहिए। वे एवरेस्ट के
अनुसंधान विश्वस्त्रियालय अनुसंधानकोटी एवं
पौध इन्डियन विश्वविद्यालय के कानून अनुसार,
कृष्ण विश्वविद्यालय के गोपनीय तथा विश्वविद्यालय
कानून विश्वविद्यालय के गोपनीय तथा विश्वविद्यालय
इस कृष्ण विश्वविद्यालय के अनुसंधान
विश्वविद्यालय गोपनीय की बातों के मुख्यार्थ
संबोधित कर दी रहें।

ਤੁਹਾਨੂੰ ਕਹਾ ਜਿ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀ
ਵਿਲਾਸਿਤਾਵਾਨ ਕਾ ਵਿਕਾਸ ਕੀਤਾ



Digitized by srujanika@gmail.com

विजयनी की वास्तवी संकेत द्वारा विद्युत के
प्रभाव के लिए उनके द्वारा विद्युत
विकास की विभिन्न विधियाँ दर्शाई गई हैं।

मालवीय वैज्ञानिक डॉ. कार्तिक शर्मा, जोड़पुरियनक डॉ. अंतिम चतुर्थ, जैव विविधता एवं सम्पर्क विभाग में कार्यालय विभाग के पास स्थानिक है।

पूर्णे में प्राप्तवेतती कार्यक्रम भी अपनीकरण किया गया और चिट्ठो-नावी की विद्युतजल जल के असल्ला नीचला घोटाले जलवायी के लिए नियमित बोर्डरियन किया गया। इस लीएन कार्यक्रम की अद्वितीय विशेषता व सुनिश्चितताओं की ओरेक्ट एक प्रदर्शन का भी अपेक्षन किया गया। इसके असल्ला अधिकारी, विधायी, विदेशी वादानीकी, भौतिक गतिशीलता भी भी प्रदर्शनी लगाई गई। इस अधिकार वर्ष लोकेन्द्र अध्यक्षतया बैठक आयोजित किया गया है। भविष्यतीय वर्ष विदेशी, वादानी, विदेशी वादानीकी, भौतिक गतिशीलता भी भी प्रदर्शनी लगाई गई। इस



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

जगमार्ग न्यूज़

दिनांक

28.07.2021

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

→ विश्वविद्यालय के लिए
बड़े गर्व की बात:
कुलपति

जगमार्ग न्यूज़

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के



कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व 20 अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने

विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन की ब्रेव दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊचाइयों पर ले जा रहा है।

कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में

आईआईएम में लगभग देशभर में 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगातार चार वर्षों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	28.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम में दाखिला

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला

उपलब्धि

देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों

का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पांच बजे

दिनांक
27.07.2021

कॉलम
--

कृपास की फसल में गत वर्ष की भाँति न उठानी पड़े किसानों को समस्या, इसलिए एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ: प्रो. काम्होज

पांच की व्यू

हिसार। चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दिसार के कलापति प्रोफेसर थी। आर. काम्होज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय इस समय तत्पर प्रयोग्यता है। किसानों को ज्यादा साथ नुइकल इसका लाभ उठाना चाहिए। पैटे एचएयू के अनुसंधान विदेशी एवं पौद्ध प्रबन्धन विभाग के कामस अनुभाग, कृषि विभाग के द्वारा एवं किसान काल्यान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतार मुख्यालय मंत्रालय कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार लिखा निरीक्षण व अनुसंधान विभाग के किसानों की फसलों संबंधी इस समस्या के समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के द्वारा किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अक्षर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये, नई तकनीकों व कृषि



आधारित अन्य जनकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कृपास के उत्पादन व व्यवस्था की उत्तम तकनीक' रखा गया था। काल्यान की अनुसंधान विश्वविद्यालय के कृषि विभाग द्वारा जाजीर सिंह ने की। कृषि पति प्रोफेसर थी। आर. काम्होज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्यान मंत्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या

को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भाँति किसानों को कृपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संबोध लेने पूरे फलों से वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संविधान सेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कृपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं ताकि विवित पौधार्थियों में भी कृपास का अचूत उत्पादन व्यास्त विकास के सक्षे। इस दौरान उन्होंने खेत में कृपास की खाड़ी फसल का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को किसानों की हर समस्या का समाधान उनके द्वारा पर आकर करने को कहा।

रसायन मुक्त खेती को दें बढ़ावा

प्रोफेसर थी। आर. काम्होज ने कहा कि कृपास की फसल में बढ़ावा उत्पादन के लिए कौटुंबीय रोपी का एकोकृत प्रबोधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिद्यातों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विस्तार रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदुषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होगा। कई बार किसान विवाद वैज्ञानिक परामर्श के अपनी फसल में कौटुंबकां का अधारूप छिपाकर कर देता है जो नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए विश्वविद्यालय में जुड़कर किसान वैज्ञानिकों से मही व सटोंक जानकारी

खीसत करे और उनकी चय अनुसार ही विश्वविद्यालय विषय नए कौटुंबकां का प्रयोग करें। गत वर्ष कृपास की फसल का नष्ट होने में विद्यालय द्वारा बिना कृषि वैज्ञानिकों को सिवायरिश के फसल पर कौटुंबकां के मिश्रणों का प्रयोग करना एक कारण सामने आया था, जिससे कृपास की फसल में नमी एवं पौधा के चलते समस्या बढ़ी थी। यह समस्या ज्यादातर रेतीली जलीम में उठ रही थी। विस्तार विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर समय-समय पर उनकी समस्याएँ के निदान के लिए जुटे रहने का आह्वान किया। कृपास विश्वविद्यालय प्रैटेंश का एक महत्वपूर्ण नामदार फसल है। इसलिए किसानों को इस फसल में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली सलाह व कौटुंबकां को लेकर की गई विश्वविद्यालय की विज्ञान व्यावहारिक व्यवस्था वाली चाहिए। कृपास वैज्ञानिक थी। ओमेंद संविधान, समय वैज्ञानिक थी। कारमल मलक, कौट वैज्ञानिक थी। अनिल जात्रा, पौद्ध रोग विशेषज्ञ थीं। मनोदेव मिंह ने कृपास मंथाधित विषयों पर व्याख्यान दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
हैलो हिसार न्यूज़

दिनांक **28.07.2021** पृष्ठ संख्या **--**

कॉलम
--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज



हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशललय, आनुवांशिकी एवं पीढ़ी प्रज्ञन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि

विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मध्यक तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतार मुछ्यान्तिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशलय व अनुसंधान विभाग मिलकर किसानों को फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वारा जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के

कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किसी नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य ज्ञानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की उत्तम तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्री जय प्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लैकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की

कपास की फसल में गत वर्ष की भाँति न उठानी पड़े किसानों को समस्या, इसलिए एचएयू के वैज्ञानिकों की टीम फॉल्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

भाँति किसानों को कपास की फसल में स्थायियाजा न भुगतना पड़े इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबंधित क्षेत्रों के किसानों को जागरूक कर रही है। समय-समय पर इसके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और कृषि विभाग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को कपास की विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक कर रहे



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका न्यूज	27.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

मुख्य पंचार
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उन्नज्ञवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गवं की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम



व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, श्रेव दिया है। उन्होंने कहा कि नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआईएम में लगभग देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गवं की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में लगभग चार बाँहों से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा ज्योति	27.07.2021	--	--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दारिद्रिया

हिसार / हाईसी 26 जुलाई। मनमोहन शर्मा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दारिद्र्णा भागीदारी प्रबंधन सम्बन्ध (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दारिद्र्णा देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामोजे ने विद्यार्थियों को बधाई दी औ उनके उल्लंघन भविष्यत को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़ी खबर दी जात है कि एक साथ इसने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिवेदित संस्थानों जैसे हाया, पियाम व मैट्रिक में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को अंक दिया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को द्वारा दिए दिक्षण व विद्यार्थियों का प्रयाप्त विश्वविद्यालय को निम्न रैंक उत्तराधीनों पर से ज्ञ रखा है।

पिछले कई वर्षों से लगातार से रख है चयन, विश्वविद्यालय के लिए यह की जाता रखता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामोजे ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआईएम में लगातार देशभर से 200 विद्यार्थियों का चयन हुआ था, जिसमें पूरे देश के गश्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे।



विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गवर्नर की जाता है कि इन 40 विद्यार्थियों में से 35के लिए लगातार कृषि विश्वविद्यालय लिखर के 11 विद्यार्थी राशिमिल हैं। इसके अलावा 2019आईआईएम में लगातार द्वारा बहुत से विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चयन विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और वर्ष 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

इन विद्यार्थियों का हुआ चयन लक्ष्य कल्याण विदेशक द्वारा देवेंद्र ठाकुर ने बताया कि इस बारे तीन विद्यार्थियों का चयन मैनेजरेट इंस्टीट्यूट में हुआ है। उन्होंने बताया कि आईआईएम में चयनित होने वाले विद्यार्थियों में सुनित जागेश का चयन आईआईएम को जीता है, समर सागवाल



का आईआईएम एफएसीएम और सम्ब्रह भाटिया का चयन आईआईएम गोहतक में हुआ है। इसके अलावा विजेंद्र का आईआईएम-नार्स हेल्पलिफ्ट, योगेश यग्न गण का चयन का नियम ज्यपु, सचिन, सचिन गण, आशिष शर्मा, अनव गोदाग, समर सिंह, गेविन घोटिया, नीरा, पारम, सुनित स्टाटकड़, अमन, हरप्रज्ञन यित, केशव गोप्ता, जयेश व जयेश का शम गुलाम और पूर्ण, सौरभ व सचिन सोनी का भेजेन हेल्पलिफ्ट में चयन हुआ है।

नेहरु पुनर्वालय का अध्ययनादान आईआईएम में

चयनित होने वाले विद्यार्थी मध्यमवर्षीय व लियान विद्यार्थियों में संबंध है। इसके लिए संस्थानों के अधार पर ऐसे आईआईएम के लिए तैयारी करना बहुत ही कठिन था।

लेकिन विश्वविद्यालय ने नेहरु पुनर्वालय विद्यार्थियों के लिए बताने मार्गित हुआ। विद्यार्थियों अनुसार दिन में कौलेव की कठारा खाते होने के बाद देर शाह तक नेहरु पुनर्वालय में अपनों पश्चाई जारी रखते थे। विश्वविद्यालय के नेहरु पुनर्वालय में इस तरह की प्रतिवेदित प्राप्तियोगिताओं के लिए बहुत ही लाभदायक सामग्री पौन्नद है, जो विद्यार्थियों के बहुत काम आता है।

काउंसिलिंग एंड प्लैनिंग में विद्यार्थियों को इस मफलत के पांच गोलांगन रखा है। चयनित होने वाले विद्यार्थियों के अनुष्ठान अंतिरिक छात्र कल्याण विदेशक द्वारा गवर्नर मिह वेनेवेल द्वारा काउंसिलिंग एंड प्लैनिंग में विद्यार्थियों के माध्यम से समय-समय पर आयोगीत संविधान, काउंसिलिंग, प्रोटोकॉल, आयोगीत संस्करण, आयोग-प्रदान प्रोसेस, प्रो-ट्रिनिंग टाइम ट्रैन हाईट्रेन, प्रो-प्लैनिंग टाइम व पूर्ण प्रतिपादानी लाईजे के ग्राहन विद्यार्थियों के माध्यम से उनका प्राप्तदान विद्या गया।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा ऑनलाइन पश्चाई व

स्टॉनियर स्टॉनियों के सहायोग व प्रेरणा ने भी इस दिन में

आयोग बदलने के लिए उत्सुकित किया। उन्होंने बताया कि

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कामोजे की

नवी, सहायता, ऊर्जावान व सुरक्षित सोच वा ही परिणाम

है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का देश के सबसे बड़े

संस्थानों में चयन हुआ है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

देश बंधु

दिनांक पृष्ठ संख्या

27.07.2021

कॉलम

--

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

हिसार, 26 जुलाई (देशबन्ध)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्पोजे ने विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उन्नवाल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरपा, नियाय व मैनेज में उच्चन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेष्ठ दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का



प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई उन्नायों पर से जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्पोजे ने बताया कि वर्ष 2019 में आईआईएम में लगभग देशभर में 200 विद्यार्थियों का उच्चन हुआ था, जिसमें पूरे देश के गग्न्य कृषि विश्वविद्यालयों से करीब 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत ही गर्व की बात है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अकेले हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 11 विद्यार्थी शामिल थे। इसके अलावा आईआईएम में सागतार चार वर्षों से विद्यार्थियों का उच्चन

हुआ है, जिनमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे ज्यादा 9 विद्यार्थियों का उच्चन हुआ है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र दाहिया ने बताया कि इस बार तीन विद्यार्थियों का उच्चन मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में हुआ है। उन्होंने बताया कि आईआईएम में उच्चनित होने वाले विद्यार्थियों में सुभित जांगड़ा का उच्चन आईआईएम को जीकोड़, समर सागवाल का आईआईएम एफएबीएम और सश्यम भारिया का उच्चन आईआईएम रोहतक में हुआ है। इसके अलावा चिंगंद का आईसीएआर-नार्म हैदराबाद, ओगेश राज राणा व विशाल का नियाम जयपुर, सचिन, सचिन राणा, आशिय शर्मा, अजय गोदारा, समर मिंह, रोबिन चोटिया, नरेश, पारम, सुभित खटकड़, अमन, हरगुणजीत मिंह, केशव गोयल, जयवीर व जशमीत का इरमा गुजरात और पूनम, सौरभ व सचिन सोनी का मैनेज हैदराबाद में उच्चन हुआ है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम समस्त हरियाणा न्यूज़

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

27.07.2021

102

एचएपू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उगाएं लाभ : प्रौ. काम्बोज

समाज हरिष्चाणा न्यूज़
हिसार। भौंपी बरण सिंह हरिष्चाणा द्वारा
विधिविद्यालय हिसार के कुल्लति शोधकाम
योगी अग्र. कार्यपाल ने कहा कि किसारों के
लिए विधिविद्यालय हर समय तक वे
प्रश्नांकरण हैं। किसारों को ज्ञान योगी व्यवस्था
विधिविद्यालय के माध्यम द्वारा करना लाभ
उठाना चाहिए। वे प्रश्नांकरण के अनुमतिपात्र
निरेशालय, अनुच्छेदिको एवं योगी प्रबन्धन
विधायक के कामाम अनुभाव, दूर्घि विधायक
के द्वारा वर्किंग ग्रुप विधायक कालावास विधायक के
मुख्य उत्तराधिकार में अधिकारीएक किसार
गोदी को बड़ी प्रश्नांकरणियं मंजुरीप्राप्त कर रहे
हैं। उद्दीपने कहा कि विधिविद्यालय में
विधिविद्यालय वा विधारा विधाया निरेशालय
व अनुमतिपात्र विधि विधायक किसारों योगी
फसलों मेंसंभव हर याचना के समाधान के
लिए उत्कृष्ट द्वारा जाकर समाधान करते हैं।
विधिविद्यालय के दूर्घि विधायक के द्वारा किसारों
को विधिविद्यालय में योगी बुझे जा
अध्ययन प्रदान करते हैं। इनके माध्यम से
किसारों को विधिविद्यालय द्वारा विधायित
कियाजाएं, जहाँ उक्तकों व दूर्घि आधारित
प्रश्नांकरण की जिम्मेदारी है। विधिविद्यालय

कुन्तलचिंति तथा शब्दवीर चिंति है और को। कुन्तलचिंति प्रोफेट थीं जिन् काम्बोज ने कहा कि गृह्य मरणात व मरणोपर कृषि एवं किसिन कलनशास्त्र मन्त्री जब प्रकाश दर्शन किश्चित्कालात्मक के साथ फिलहाल लगातार किसीने की सम्पत्ति की सेवक लगातार संपर्क बनाया है। इसीलिए यह वर्ष जूँ भौति किसानों को कापाय की फसल में खाड़ीमतला व भूगतन वडे इसलिए विश्वकालात्मक ने इस वर्ष का संदेश देते हुए पहले ही वैज्ञानिकों को टीम गठित कर दी ही जो लगातार संशोधन लेंदों के विकासों को जागरूक कर रही है। समय-समय एवं इसके लिए प्रशिक्षण शिक्षण असेवित किए जा रहे हैं और कृषि विधाय के साथ फिलहाल विश्वकालात्मक के वैज्ञानिक किसानों को कापाय की विभिन्न सम्पत्तिओं के प्रति जागरूक बढ़ रहे हैं ताकि विद्यार्थी परिवर्त्यात्मिणी में भी कापाय का अच्छ उत्पादन हासिल किया जा सके। इस दौरान उड़ानी लंबे में कापाय की खट्टी फसल वा जायक विद्या और वैज्ञानिकों को किसानों द्वारा सम्पत्ति का समाधान उनके द्वारा प्रदान की जाएगी।



प्रयत्न है। इससे विद्यार्थी को इस प्रयत्न में कृपि वैज्ञानिकों द्वारा सम्पर्क सम्पर्क पर वही जाने वाली मानव व कॉर्टेगेजों को सेकर को मृत विषयकों का विशेष व्यापक रूप से जाहिए। कपाय वैज्ञानिक द्वा और अधिक विज्ञान सम्पर्क वैज्ञानिक द्वा कर्मचारी वित्तीक, जीवविज्ञानिक द्वा अभिनन वास्तव विद्या गोपनीयता विवरण द्वा प्रयत्नहरन मिले ने कपाय संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिए। ये गोप्ता में प्रस्तोतारी कार्यक्रम भी आखोनीत किया गया और मिट्टी-पाणी की विशुद्धक जांच के एकीकरण किया गया। गोप्ता में वीनुद कियार्थी को फलदार वीने व कफलस्ती की सम्पर्क विषयकों मध्यसंघित विशिष्ट व्यापारी आधुनिक उक्तनीको व कृपि विद्यार्थीजो को सेकर एक प्रदर्शनी का भी अवधारण किया गया। इसके अलावा अवधारण, वेकरी, वस्त्रक्षय, चिंचाई लकड़ीको, वैष्णवी गोप्ता अदि को भी प्रदर्शनी समाप्त गई। कृपि विद्यान केंद्र के वार्षिक संगीतक द्वा ग्रंथालय वास्तव वाद्य ने वर्षी का संग्रहण वाल और वार्षिक वाद्य को विद्यान जानकारी दी। मिल का वंशालन द्वा नंदि वाद्य ने किया। इस अवधारण पर क्षेत्रीय अनुवादान केंद्र वालत के विदेशक द्वा धर्मवीर वाद्य, कृपि वार्षिक विद्यानक द्वा वर्तीर मिल, द्वा मुकुलेन द्वारा, द्वा एम एन विचड़ महिल कृपि विद्यान केंद्र के वैज्ञानिक व अनेक वाहनों व पुस्तक विद्यान भी वीनुद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

समर धोष न्यूज़

दिनांक

27.07.2021

पुष्ट संख्या

--

कॉलम

--

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर: प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयासरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएयू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक किसान गोष्ठी को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विस्तार शिक्षा निदेशालय व अनुसंधान विभाग मिलकर किसानों की फसलों संबंधी हर समस्या के समाधान के लिए उनके द्वारा जाकर समाधान करेंगे। विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इनके

माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किसी, नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी का मुख्य विषय 'कपास के उत्पादन व बचाव की ऊत तकनीक' रखा गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह ने की। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि राज्य सरकार व माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल विश्वविद्यालय के साथ मिलकर लगातार किसानों की समस्या को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। इसलिए गत वर्ष की भाँति किसानों को कपास की फसल में खामियाजा न भुगतना पड़े। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस बात का संज्ञान लेते हुए पहले ही

वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी थी जो लगातार संबोधित खेतों के किसानों को जागरूक कर रही है। प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि कपास की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए कीट व रोगों का एकीकृत प्रबंधन जरूरी है। इसके लिए समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा फसलों संबंधी जारी हिदायतों व सलाह का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा दें ताकि पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के अलावा स्वास्थ्य लाभ भी होंगा। कपास वैज्ञानिक डॉ. ओमेंद्र सांगवान, सम्य वैज्ञानिक डॉ. करमल मलिक, कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, पौद्य रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह ने भी कपास संबोधित विषयों पर व्याख्यान दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

सत्यजय टाईम्स

27.07.2021

3

फुलपति ने दी विद्यार्थियों व शिक्षकों को बधाई

हांगी, 26 जूलाई, मात्रवय
टाइप्पन/मासिक्यता लेख। योगी वार्ष मित्र
संस्थान के विद्यार्थियों द्वारा उत्तराखण्ड लिङ्गों के
द्वारा विद्यार्थियों का उत्तराखण्ड भवतीत प्रश्नों
संबंधी (उद्देश्यपूर्ण) में हुआ है। इसके
उत्तराखण्ड विद्यार्थियों के 20 अव्य-
विद्यार्थियों द्वारा उत्तराखण्ड के स्वयं
संस्थान संस्थानों में हुआ है। विद्यार्थियों के
द्वारा यह बहुत बड़ी उमरीय है।
विद्यार्थियों को इस उत्तराखण्ड वि-
द्यार्थियों के कुलसंघ द्वारा आयोजित
थे, उत्तराखण्ड विद्यार्थियों को जारी
पै ए उत्तराखण्ड भवतीत विद्यार्थियों को जारी
करते हैं। उत्तराखण्ड की विद्यार्थियों के
द्वारा बढ़े रखने की चाही है कि एक सभी इसे
विद्यार्थियों का उद्देश्यपूर्ण व अव्य-
विद्यार्थियों संघों जैसे द्वारा, विद्यार्थियों व मित्र
ने चर्चा हुई है।

इसके लिए उन्हें विद्युतिको के बहिर्भूत परिप्रभ व विद्युतिकालय के लियों द्वारा लिया जाता है और यह अप्रैलीन को लेकर लिया है। उन्हें नहीं कि लियों द्वारा लिया जाता है विद्युतिको मध्य परिप्रभ व विद्युतिको का प्रवास प्रियंत्र विद्युतिकालय को जिन द्वारा उन्हें देखा जाता है। लियों कई बड़े तो

A group photograph of 13 individuals, mostly men, wearing face masks. They are arranged in two rows: a back row of seven people standing, and a front row of six people seated on chairs. The group is posed in a grassy area with trees and a building visible in the background.

लकड़ार रोग ने यान, विश्वविद्यालय के लिए, एवं यही यहां खोली यान जिस लकड़ार कृति विश्वविद्यालय के मुख्यमंत्री डेविपर मीटिंग काम्पनेज ने बढ़ाव दिया था। 2019 में 3000 अंडरग्राउंड में लकड़ार ड्रेसर पर 200 विद्यार्थियों का यान इन्होंना था, जिसमें से दो ड्रेसर के राज्य कृषि विश्वविद्यालय से से कर्निंग 40 विद्यार्थी थे। विश्वविद्यालय के लिए, यह बहुत ही बड़ी रोग यह है कि इन 40 विद्यार्थियों में से अधिके लकड़ार युवा विश्वविद्यालय छिपाने के 11 विद्यार्थी शामिल हैं। इसके असाधा अंडरग्राउंड में लकड़ार चार बोर्डों से विद्यार्थियों का यान हुआ है, जिसमें वर्ष 2017 में दो विद्यार्थी, वर्ष 2018 में चार विद्यार्थी, वर्ष 2019 में तीन विद्यार्थी और 2020 में सबसे अधिक 9 विद्यार्थीयों का यान हुआ है। यहां लकड़ार निर्माणकार्य द्वारा डेविपर द्वारा दिया गया विश्वविद्यालय का यान अंडरग्राउंड में समाप्त इंटीरियर बोर्ड है। उन्होंने यान का किंवदं अंडरग्राउंड में यान बनाने वाले विद्यार्थियों में सुना जानकारी का यान अंडरग्राउंड को नीतीय द्वारा समर्पित किया अंडरग्राउंड एवं विद्यार्थीय और सभी भारतीय का यान अंडरग्राउंड रोकनक द्वारा कुप्रवार है। इसके असाधा विद्यार्थी का अंडरग्राउंड-नाम है इंड्रेसर, योग्य यान

यसद्वारा संकेतिक दृग्मि। विज्ञानियों अनुसार दिन ने कैरोलिन की कल्पणा लहम बीमों के बाट देख रख रहा जैसा कुनैकालमन में अपने काउंट नामी रखने वाला विज्ञानियोंनाम के जैसा कुनैकालमन में इस ताजा की प्रतिवेद्य प्रतीक्षितवालों के लिए बहुत ही लाभकारी वापसी दीनुहो है, जो विज्ञानियों के बहुत बहुत अच्छी। अबउन्हें एड रेसेमेंट सेल ने किसा चार्नेटोन विज्ञानियोंनाम में सहभाग करताहोली एड रेसेमेंट सेल का था विज्ञानियों को इस समस्याका को पूछो बोक्सट्रॉन ताजा है। वज्रनाम देखे जाते विज्ञानियों के अनुसार अवैतिरिक लाज कल्पनाका नियन्त्रक और दार्शनी विज्ञानियों द्वारा करताहोली एड रेसेमेंट सेल के बाल्पन से सम्बन्धित एक अवैतिरिक संस्थान, वर्कशोप, चार्नेटोन, चॉट्टेनेकाल सेल, ड्राफ्ट्स-प्राइवेट्स, फ्रैंकिस रामक एवं लिंकलू, ब्रैंड-रेसेमेंट रास्क व पूर्वी प्रीवियालोडी लाइनों के सभी विज्ञान-विज्ञानों के माध्यम से उनका चार्नेटोन विज्ञान दिया गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा चॉट्टेनेकाल बायोव व सीधीसम नहींहोंगे के साथसाथ वे प्रोजेक्ट में भी इस दिन ने उन्हें बढ़ावों के लिए उत्तमान्तर दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

खबरें

दिनांक

27.07.2021

पृष्ठ संख्या

-

कॉलम

-

एचएयू के तीन छात्रों का आईआईएम व 20 अन्य का देश के प्रमुख संस्थानों में हुआ दाखिला

अटल हिंद संवाददाता/हांसी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तीन विद्यार्थियों का दाखिला भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में हुआ है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के 20 अन्य विद्यार्थियों का दाखिला देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में हुआ है। विश्वविद्यालय के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों को बधाई दी।



उनके उज्जबल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि एक साथ इतने विद्यार्थियों का आईआईएम व अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे इरमा, नियाम व मैनेज में चयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम व विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा दिया गया मार्गदर्शन व विद्यार्थियों का प्रयास निरंतर विश्वविद्यालय को नित नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पञ्च संख्या

१८८

सिद्धी प्रदान नगर

27.07.2021

1

**एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से
ज्यादा उठाएं लाभः प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज**

एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक



**सहायता मुकाबिली
को दें चलाया।**

ਭੇਜਿ ਕੀ ਜਾਂ ਮਹਿਸੂਸ
ਕਰਿ ਸਿ ਬਾਬੁ ਦਿ ਲੋਚ ਕੀ
ਖੋਜੇ ਗੁਰੂ ਕੀ ਕਿ ਵੀ ਨਾਲ
ਕਿਵੇਂ ਕਿਵੇਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਵੇ।



of their life they have been moved to and over it altered in shape from or by God's creation it seems to point themselves & your lives before it and a soft roundness of the world no longer & health for an altered or pale and thin the body & nothing else is left behind it found in me many reasons to such severe disease in the eye and in some parts even bones & skin absent, and bodies & bones still, all bodies & skin gone, the body being of another life it was said that at present you still a perfect shadow of yourself that was the light and the figure who is now changed and moved to the other nation that are, that is the spirit of man that is now dead in man's body and death of me.

जाति भवन द्वारा लिया जा सके:
उपर्युक्त असैनी द्वारा मैं काम की गयी
देखना या उत्तर लिया और नीचोंसे
मैं चिकित्सने की ही चाही प्राप्त करना।

पर्यावरण दृष्टि, और जलवा ने किया। इस प्रकार यह अंगूष्ठ वाला व्यक्ति अपने बड़े भास्तुओं के विरोध में खड़ा होता रहा, यहीं उनकी विशेषता थी। वहाँ निरुम वह न बदल सकता, वह एक अप्रतीक्षित व्यक्ति बन जाता रहा, वह अपने अंगूष्ठ के विरुद्ध वाले अपने विशेषताओं के विरुद्ध वाले।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर बैंकिंग	28.07.2021	-	-

एचएयू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उठाएं लाभ : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एक आर लैटिन वर्त

हिंसा। योगीय वरण मिशन तत्त्वज्ञान कृपि
विश्वविद्यालय विद्यार्थी के कुलपती प्रोफेसर
जी डॉ. कामेश्वर ने कहा कि किसानों के
लिए विश्वविद्यालय हर समय तक व
प्रयत्नसंतान है। किसानों को ज्ञान से जड़ा
विश्वविद्यालय के नाम लड़कर इसका
सभ उठाना चाहिए। वे एकपुर के
अनुच्छेदन विद्यालय, अनुच्छेदनीय एवं
पीढ़ी प्रशिक्षण विभाग के विद्यार्थी अनुच्छेदन,
कृषि विभाग के टॉप व कूपी एवं विद्यालय
कल्याण विभाग के संस्कृत लक्षणालय में
आयोजित एक किसान मोटी को बड़ी
मुश्किलीय संबोधित कर रहे थे।

‘उन्होंने कहा कि भविष्य वे
विश्वविद्यालय का विस्तार किया
विद्यालय व अनुसंधान विज्ञान वित्तकर
किसीने की प्रमाण संस्कृत हर समस्या के
समाधान के लिए उनके द्वारा उत्कर्ष
साधारण करेंगे। विश्वविद्यालय के कृपि
विज्ञान के विद्यार्थी को विश्वविद्यालय से
धैर्य उद्देश्य का अवश्य प्रदान करते हैं।



बी.प्रा. राष्ट्रीय विभाग गोदान के दैनिक संकेतिकालीन राज्य एवं पर्याप्त विवरित करते हैं।

इनके बायम में किसानों के विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालयों, जो उक्तनामों पर भूषि अधिकारित अन्य जनसंकायों द्वारा ही है। किसानों से संबंधित काम कुछ विषय 'कालांग' के उपायों व विचारों की उन्नत उच्चाकांक्ष रखता रहा जो कार्यक्रम की अपेक्षात्मक विश्वविद्यालयों के कुलसंघिय तथा राजनीति में नई कृषकविधि प्रोत्साहन की ओर कामयात्रा करता है। इन संसदीय व जनसंकायों एवं विद्यालय कालांग मठों जैसे प्रबन्ध

दलाल किसी विद्यालय के सभी विद्यार्थी
समाजर किसीनी की समस्या को हेतुका
समाजर सरेक्ष्य बनाए रखे हैं।

इसके अलावा यह कार्य को भवित बनाने को कामयाद की प्राप्ति में सहायता देता है भ्रमणों पर है इसके लिए विश्वविद्यालय ने इस वास्तविक समझौते के लिए एक बैठक आयोजित कर दी थी जो लगभग एक सप्तवर्षीय अवधि के लिए जारी रखा गया है और यह विश्वविद्यालय के लिए जो होता है और वह

कपास की फसल में गत वर्ष की भाँति न उठानी पड़े किसानों को समस्या, इसलिए एचएयू के वैज्ञानिकों की टीमें फील्ड में जाकर किसानों को कर रही हैं जागरूक

विद्यालय के साथ विद्यालय के विभिन्न विभागों को विद्यार्थी विभिन्न विभागों के लिए जारी कर रहे हैं ताकि विद्यार्थी विभिन्न विभागों में भी कठाम का अवसरा प्राप्त कर सकें।